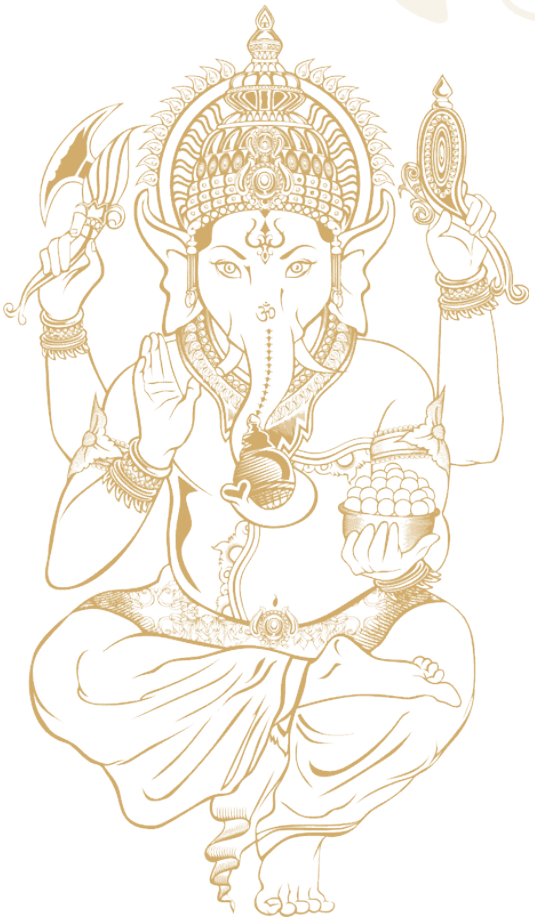

Dubey

14 Mar 2026

07:19 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121642604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**19:19:00 घंटे**
इष्ट	31:56:16 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:57:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	06:26:39 घंटे
सूर्योदय	06:32:29 घंटे
सूर्यास्त	18:28:42 घंटे
दिनमान	11:56:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:45:43 कुम्भ
लग्न के अंश	11:38:42 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:38:42	317:48:58	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	29:45:43	00:59:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	05:02:46	12:27:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	15:12:47	00:47:14	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
बुध	व		कुंभ	16:16:37	00:38:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:54	00:00:40	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	15:52:28	01:14:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:09:07	00:07:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:42:18	00:01:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:42:18	00:01:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:52:24	00:01:56	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:19:13	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:38:55	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	11:53:34	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

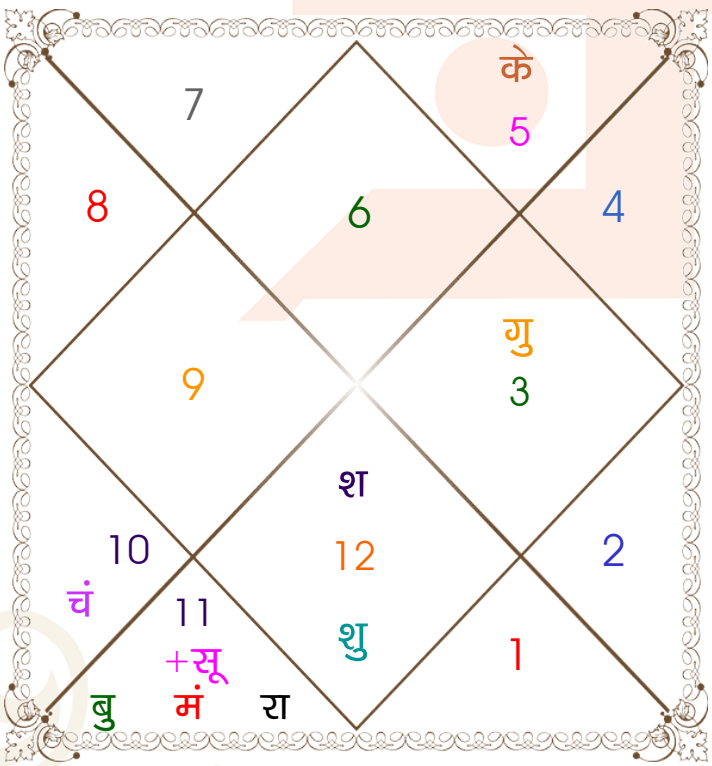

चन्द्र कुंडली

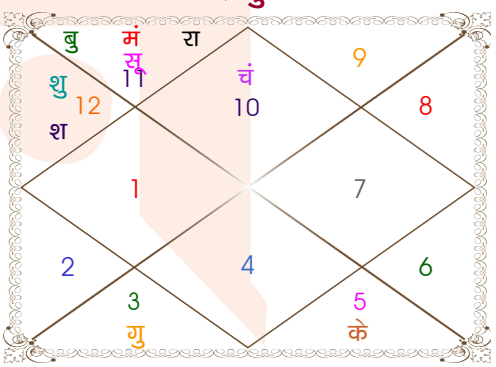

नवमांश कुंडली

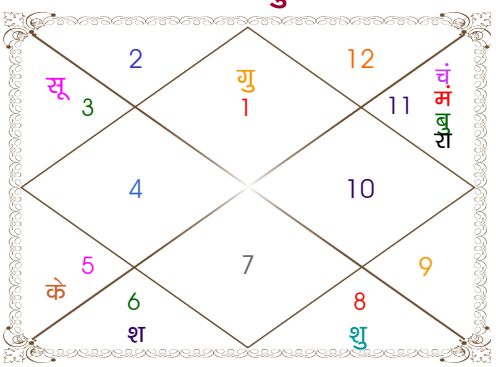

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 2 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/03/2026		06/06/2028		06/06/2038		06/06/2045		06/06/2063	
06/06/2028		06/06/2038		06/06/2045		06/06/2063		06/06/2079	
	00/00/0000	चंद्र	06/04/2029	मंगल	02/11/2038	राहु	17/02/2048	गुरु	24/07/2065
	00/00/0000	मंगल	05/11/2029	राहु	21/11/2039	गुरु	13/07/2050	शनि	05/02/2068
	00/00/0000	राहु	07/05/2031	गुरु	27/10/2040	शनि	19/05/2053	बुध	13/05/2070
	00/00/0000	गुरु	05/09/2032	शनि	05/12/2041	बुध	06/12/2055	केतु	19/04/2071
	14/03/2026	शनि	06/04/2034	बुध	03/12/2042	केतु	23/12/2056	शुक्र	18/12/2073
शनि	25/03/2026	बुध	06/09/2035	केतु	01/05/2043	शुक्र	24/12/2059	सूर्य	06/10/2074
बुध	29/01/2027	केतु	06/04/2036	शुक्र	30/06/2044	सूर्य	17/11/2060	चंद्र	05/02/2076
केतु	06/06/2027	शुक्र	05/12/2037	सूर्य	05/11/2044	चंद्र	19/05/2062	मंगल	11/01/2077
शुक्र	06/06/2028	सूर्य	06/06/2038	चंद्र	06/06/2045	मंगल	06/06/2063	राहु	06/06/2079

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/06/2079		06/06/2098		07/06/2115		07/06/2122		07/06/2142	
06/06/2098		07/06/2115		07/06/2122		07/06/2142		00/00/0000	
शनि	09/06/2082	बुध	03/11/2100	केतु	03/11/2115	शुक्र	07/10/2125	सूर्य	25/09/2142
बुध	16/02/2085	केतु	31/10/2101	शुक्र	03/01/2117	सूर्य	07/10/2126	चंद्र	26/03/2143
केतु	28/03/2086	शुक्र	31/08/2104	सूर्य	10/05/2117	चंद्र	07/06/2128	मंगल	01/08/2143
शुक्र	28/05/2089	सूर्य	07/07/2105	चंद्र	09/12/2117	मंगल	07/08/2129	राहु	25/06/2144
सूर्य	10/05/2090	चंद्र	07/12/2106	मंगल	08/05/2118	राहु	06/08/2132	गुरु	13/04/2145
चंद्र	09/12/2091	मंगल	04/12/2107	राहु	26/05/2119	गुरु	07/04/2135	शनि	15/03/2146
मंगल	17/01/2093	राहु	22/06/2110	गुरु	01/05/2120	शनि	07/06/2138		00/00/0000
राहु	24/11/2095	गुरु	27/09/2112	शनि	10/06/2121	बुध	07/04/2141		00/00/0000
गुरु	06/06/2098	शनि	07/06/2115	बुध	07/06/2122	केतु	07/06/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 2 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।